उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

माह फरवरी, 2020

“Intellectual Property Rights with focus on Copyright and Patents”
विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विधि विद्याशाखा द्वारा 11 फरवरी, 2020 को Intellectual Property Rights with focus on Copyright and Patents" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते अतिथि और वक्ता प्रो0 एस0 के0 राठौर

संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य कॉपीराइट और पेटेंट पर विशेष ध्यान देने के साथ बौद्धिक संपदा अधिकार के सम्बन्ध में जागरूकता पैदा करना था। सेमिनार में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, पीएचडी शोध छात्र एवं विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

संगोष्ठी की अध्यक्षता पूर्व डीन और हेड, हिमांचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के प्रो.बी.एस. पठानिया ने की। संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि और वक्ता प्रो0 एस0 के0 राठौर, प्रिंसिपल यूनिटी लॉ कॉलेज रुद्रपुर, कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल और एडवोकेट रहे श्री राजीव भट्ट थे। संगोष्ठी में अपने संबोधन में प्रो.बीएस.पठानिया ने बौद्धिक संपदा अधिकार के सम्बन्ध में रूपरेखा प्रस्तुत की तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में कॉपीराइट और पेटेंट का महत्व के सम्बन्ध में जानकारी दी।

प्रो0 गिरिजा पांडे, निदेशक, विधि विद्याशाखा ने संपत्ति के अधिकार और मानवाधिकारों के लिए संतुलन की आवश्यकता को रेखांकित किया। प्रो0 आर सी मिश्रा ने अपने संबोधन में ODL प्रणाली के संबंध में कॉपीराइट पर ध्यान केंद्रित किया।

संगोठी में समापन भाषण मा0 कुलपति जी द्वारा दिया गया जिसमें उनके द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार के सम्बन्ध में जागरूकता तथा कॉपीराइट और पेटेंट के महत्व पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी का संचालन उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के डॉ0 दीपांकुर जोशी ने किया।

प्रवेश

विश्वविद्यालय में शीतकालीन सत्र जनवरी–2020 में प्रवेश प्रक्रिया दिनांक– 1 जनवरी, 2020 से प्रारम्भ कर दी थी। अन्तिम तिथि 29 फरवरी 2020 तक **9,804 विद्यार्थियों** ने प्रवेश लिया है।

Student Data Session JANUARY-2020

Region	New	Total	Semester	Year	(Previous Session) 2019-20-Summer
Dehradun	1659	3164	471	2693	19168
Roorkee	714	1205	98	1107	7914
Pauri	287	507	36	471	4399
Haldwani	1723	2909	520	2389	18694
Uttarkashi	266	451	11	440	5520
Ranikhet	647	932	50	882	7427
Pithoragarh	264	401	21	380	3649
Bageshwar	156	235	18	217	2860
Total	5716	9804	1225	8579	69631

परीक्षा

विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाएं दिसम्बर 2019 से संबंधित (मुख्य व बैक) कुल 146 विषयों के परीक्षाफल घोषित किये जा चुके है, अन्य शेष पर कार्य गतिमान है। माह फरवरी 2020 में ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आवेदित 420 मूल उपाधियॉ एवं 27 अनापत्ति प्रमाणपत्र/सत्यापन डाक से प्रेषित किये गये।

शिक्षकों के लिए एक दिवसीय ICT प्रशिक्षण कार्यक्रम

उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (USERC) और स्पोकन ट्यूटोरियल (IIT बॉम्बे) के सहयोग से स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी, ICT सेल और स्कूल ऑफ़ वोकेशनल स्टडीज़, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में 15 फरवरी 2020 को शिक्षकों हेतु एक दिवसीय ICT प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम में प्रदेश से 70 शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रो0 ओपीएस नेगी, मा0 कुलपति ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और प्रो0 दुर्गेश पंत ने कार्यक्रम के आयोजन के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डाला। आईआईटी मुंबई से श्रीमती श्यामा अय्यर और श्रीमती आकांशा सैनी (स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट) ने तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की।

कार्यशाला को सम्बोधित करते प्रो0 नेगी।

सामाजिक सरोकार

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गॉव 'बसानी' में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हल्द्वानी विकास खण्ड के सुदूवर्ती गांव बसानी में 26,27 फरवरी को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल बसानी के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के नन्ने– मुन्ने बच्चों ने जमकर अपना जौहर दिखाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपरण बोर्ड के अध्यक्ष गजराज बिष्ट थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि खेलकूद से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास सम्भव है। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को जूट के बैग भी वितरित किये गये और पॉलीथिन उन्मुलन की अपील की गयी।

बसानी गॉव में कार्यक्रम का आयोजन कराते विश्वविद्यालय के कार्मिक

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि दर्जा राज्य मंत्री गजराज बिष्ट ने कहा कि बच्चों के पूर्ण विकास के लिए पढ़ाई के साथ–साथ खेलकूद भी आवश्यक है, तभी बच्चा पूरी तरह विकसित होता है। उन्होंने उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपरण बोर्ड द्वारा चलाये जा रहे पॉलिथिन उन्मुलन को लेकर भी जानकारी दी और लोगों से अपने जीवन में पॉलिथिन का प्रयोग न करने की अपील की।

कार्यक्रम में उपस्थित बसानी गॉव तथा स्थानीय निवासी

कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के लोगों ने उपस्थित सैकड़ों ग्रामीमों को उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपरण बोर्ड द्वारा प्रद्त जूट के बैग भी वितरित किये। कार्यक्रम के दौरान यूओयू के राजेन्द्र सिंह क्वीरा ने बताया गया कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय व यूसर्क की ओर से बसानी गांव के विकास के लिए गांव को गोद लिया गया है, जिसके तहत अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, उन्होंने विश्वविद्यालय के पाट्यक्रमों की भी जानकारी दी। इस दौरान उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र (यूसर्क) के निदेशक प्रो. दुर्गेश पन्त, सरमाउण्ट पब्लिक स्कूल की श्रीमती जीवन्ती तड़ागी, डा. अरविन्द जोशी, श्री के0डी0 परगाई, विरेन्दर सिंह चड्ढा, गिरीश काण्डपाल, देवेन्द्र नेगी व मनोजसिंह रौतेला, ग्राम प्रधान विमला तड़ागी, दान सिंह तड़ागी, हेमन्त सिंह, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से राजेन्द्र सिंह क्वीरा, डा. राजेन्द्र कैड़ा, डा. ममता, रूचि आर्या सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग मौजूद थे।

बच्चों को पुरस्कृत करते अतिथिगण

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2019–20 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Previous Session (2019-20-Summer)

Total Students	68771
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	17887
12 Roorkee	7444
14 Pauri	4295
15 Uttar Kashi	5468
16 Haldwani	17529
17 Ranikhet	7333
18 Pithoragarh	3471
19 Bageshwar	2716
Books Packed/Dispatched For	66143

शोध एवं नवाचार विभाग

बाह्य विशेषज्ञ Dr. Akhil Chilwal, Department of Mathematics Statistics and Computer Science, GBUTA, Pantnagar द्वारा दिनांक 1 एवं 3 फरवरी 2020 को विश्वविद्यालय में आकर पीएच0डी0 शोधार्थियों को क्रमशः **“Hypothesis and NPC”** एवं **“Parametric Testing”** पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

बाह्य विशेषज्ञ Dr. G Mythilli एवं Professor Neeti Agrawal, School of Management Studies, IGNOU द्वारा दिनांक 07 फरवरी 2020 को विश्वविद्यालय में आकर पीएच0डी0 शोधार्थियों को क्रमशः **“ICT in Research”** एवं **“Review Literature”** पर ऑनलाइन कक्षाएं प्रस्तुत की गयी।

बाह्य विशेषज्ञ Professor Rajesh Singh, University of Delhi द्वारा दिनांक 14 फरवरी 2020 को विश्वविद्यालय में आकर पीएच0डी0 शोधार्थियों को **“E-information and use of Library”** एवं **“Plagiarism”** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

बाह्य विशेषज्ञ Professor J.K. Joshi, Former Director, School of Education, UOU द्वारा दिनांक 20 फरवरी 2020 को विश्वविद्यालय में आकर पीएच0डी0 शोधार्थियों को **"Recap of Research topic and Doubt Clearances"** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

बाह्य विशेषज्ञ Professor S. P. Singh, Faculties of Management Studies, Gurukul Kangri University, Haridwar द्वारा दिनांक 26 एवं 27 फरवरी 2020 को विश्वविद्यालय में आकर पीएच0डी0 शोधार्थियों को क्रमशः **"Factor Analysis"** एवं **"Non Parametric"** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

बाह्य विशेषज्ञ Dr. Rajat Agarwal, Department of Management Studies, IIT Roorkee द्वारा दिनांक 29 फरवरी 2020 को विश्वविद्यालय में आकर पीएच0डी0 शोधार्थियों को **"Principle and method of validity and reliability testing of survey instruments"** पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

बाह्य विशेषज्ञ Dr. Mukesh Saraswat, Department of Computer Science and Engineering, Jaypee Institute of Information Technology, Noida द्वारा दिनांक 28 एवं 29 फरवरी 2020 को विश्वविद्यालय में आकर पीएच0डी0 शोधार्थियों को **"Latex"** विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय तथा कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA) द्वारा संयुक्त रूप से **Capacity Building Programme for Academic Counsellors** का आयोजन

स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड आईटी और सेंटर ऑफ इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस (CIQA) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यशाला में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविालय के अध्ययन केंद्रों और विश्वविद्यालय के 52 अकादमिक परामर्शदाताओं ने भाग लिया। डॉ0 जीतेन्द्र पांडे, सचिव, तीन दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला द्वारा अकादमिक परामर्शदाताओं तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यशाला की शुरुआत की।

कार्यशाला को सम्बोधित करते कुलपति प्रो0 नेगी।

प्रो0 आर.सी. मिश्रा, निदेशक (CIQA) ने उद्घाटन भाषण दिया और मुक्त और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली में काउंसलिंग के महत्व पर प्रकाश डाला।

बाहरी आमंत्रित विशेषज्ञ डॉ0 अभिलाष नायक, क्षेत्रीय निदेशक– पटना क्षेत्रीय केंद्र, इग्नू ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और दूरस्थ शिक्षा में शिक्षार्थियों के लिए फेस–टू–फेस अध्यापन और परामर्श के बीच के अंतर पर प्रकाश डाला।

प्रो0 ओपीएस नेगी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में दूरस्थ शिक्षा में प्रभावी शिक्षार्थी सहायता के संचालन हेतु आईसीटी की मध्यस्थता के साधनों के उपयोग पर अपने विचार रखे।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में श्री भरत सिंह, कुलसचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कार्य परिषद की 27वीं बैठक का आयोजन

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की 27वीं बैठक विश्वविद्यालय के सभागार में दिनांक 12 फरवरी, 2020 को सम्पन्न हुई, बैठक में कुल 19 प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिनमें से अधिकतम प्रस्तावों पर अनुमोदन दिय गया।

सर्वप्रथम कार्यपरिषद की 25वीं तथा 26वीं बैठकों के निर्णय पर कृत कार्यवाही पर चर्चा की। डॉ0 दीपक पालीवाल सहायक प्राध्यापक समाज शास्त्र का एक वर्ष का असाधारण अवैतनिक अवकाश एक वर्ष बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

डॉ0 शशांक शुक्ल, सहायक प्राध्यापक, हिंदी का अन्यत्र चयन होने पर उन्हें देय असाधारण अवकाश की सूचना परिषद को दी गई। विश्वविद्यालय में कार्यरत अकादमिक परामर्शदाता, तकनीकी एवं प्रशासनिक परामर्शदाताओं के सेवा विस्तार एवं नवीन नियोजन पर चर्चा की तथा शासन द्वारा स्वीकृत वाह्यप्रदाता से भरे जाने वाले पदों पर लगाये गए रोस्टर की सूचना से अवगत कराया।

विश्वविद्यालय की 10वीं बैठक तथा वित्त समिति की 13वीं बैठक की सूचना आदि मुद्दों पर चर्चा हुई।

बैठक कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई वाह्य सदस्य के रूप में ईग्नू नई दिल्ली के उपकुलपति, प्रो0 सत्यकाम, प्रो0 बी0एस0 पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैंगवेजेज, हिमांचल प्रदेश विश्वविद्याल, प्रो0 एन0पी0 महेश्वरी, विश्वविद्यालय की ओर से प्रो0 एच0पी0 शुक्ल, प्रो0 आर0 सी0 मिश्र, प्रो गिरिजा प्रसाद पाण्डे, प्रो0 पी0डी0 पंत, डॉ0 सूर्यभान सिंह, कुलसचिव श्री भरत सिंह, वित्त नियंत्रक श्रीमती आभा गर्खाल व उपकुलसचिव विमल कुमार मिश्र शामिल रहे।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से प्रत्यायन संबंधी कार्यवाही

विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से प्रत्यायन प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर आवश्यक कार्यवाही गतिमान है, इस हेतु सम्बन्धित विभागों से आवशयक डाटा प्राप्त कर लिया गया है तथा आवेदन भरने की कार्यवाही प्रगति पर है द्य इस कार्य को प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है ताकि समय रहते राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् से प्रत्यायन प्राप्त किया जा सकेद्य

वित्त समिति की 13वीं बैठक का आयोजन

विश्वविद्यालय की वित्त समिति की 13वीं बैठक विश्वविद्यालय के सभागार में दिनांक 10 फरवरी, 2020 को सम्पन्न हुई, बैठक में कुल 15 प्रस्तावों एवं कुलपति महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्तावों पर चर्चा हुई जिनमें से अधिकतम प्रस्तावों पर अनुमोदन दिया गया।

सर्वप्रथम वित्त समिति की 12वीं बैठक के निर्णय पर कृत कार्यवाही पर चर्चा की। वित्तीय वर्ष 2019–2020 के आय–व्ययक का विवरण तथा वित्तीय वर्ष 2020–2021 के लिए विभिन्न मदों में बजट प्रस्ताव अनुमोदित किया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक क्रिया कलापों हेतु दो छोटे मल्टी यूटिलिटी वाहन क्रय करने की अनुमति प्रदान की गयी।

विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यकलापों के सुचारू संचालन हेतु अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के शिक्षकगण, विशेषज्ञगण विभिन्न परिषदों के सदस्यगण, विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं अधिकारीगण को निजी वाहन हेतु ` 10 प्रतिकिलोमीटर तथा साधारण टैक्सी हेतु परिवहन आयुक्त की विज्ञप्ति में अनुमन्य दर साधारण कार हेतु ` 13 दिये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

परीक्षा समिति की 10वीं बैठक दिनांक 29.01.2020 में वित्तीय उपाशय संबंधी बिन्दुओं पर अनुमोदन प्रदान किया गया। समिति द्वारा विश्वविद्यालय में नया वाहन (महिन्द्रा–Scorpio) आंतरिक स्रोत से क्रय किये जाने पर अनुमोदन दिया गया। उक्त के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के एम्बेसडर वाहन संख्या–UK04GA 0092 की नीलामी किये जाने की संस्तुति की गयी।

समिति द्वारा वित्तीय वर्ष 2018–2019 के वास्तविक आय एवं व्यय के आंकड़ों का अवलोकन कर संतोष व्यक्त किया गया तथा प्रस्तुत किए गए लेखों पर अनुमोदन दिया गया। कुलसचिव को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के रू010,000/– (रूप्ये दस हजार मात्र) तक के व्ययों की स्वीकृति हेतु पूर्ववत अधिकृत किया गया। इसके अतिरिक्त अध्ययन केन्द्रों को देय मानदेय संबंधी प्रस्ताव में संशोधन कर अनुमोदन दिया गया।

अध्ययन केन्द्रों ने जो विश्विविद्यालय हित में 06 माह कार्य किया है उस हेतु संबंधित अध्ययन केन्द्रों को छात्रों की संख्या के अनुरूप कुल प्रोग्राम फीस का 5% (पॉच प्रतिशत) एक

बार समाधान के रूप में दिये जाने और यह व्यवस्था सभी बंद हुए अध्ययन केन्द्रों चाहे वह पुरानी नियमावली या 2016 में लागू की गई मानक नियमावली से गठित किये गये हो पर समान रूप से लागू किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

अध्ययन केन्द्रों को विश्वविद्यालय की गतिविधियों के प्रचार प्रसार तथा प्रवेश पूर्व काउन्सिलिंग आदि छात्र सहायता सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के लिए "प्रमोशनल एक्टिविटी" नाम से अतिरिक्त शीर्ष की व्यवस्था किये जाने पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

बैठक कुलपति प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई वाह्य सदस्य के रूप में प्रो0 बी0एस0 पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैंग्वेज, हिमांचल प्रदेश विश्वविद्यालय, प्रो0 एन0पी0 महेश्वरी, निदेशक उच्च शिक्षा निदेशालय (प्रतिनिधि सचिव, उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन) श्री भूपेन्द्र काण्डपाल, मुख्य कोषाधिकारी रूद्रपुर (प्रतिनिधि सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन) कुलसचिव श्री भरत सिंह, वित्त नियंत्रक श्रीमती आभा गर्खाल व उपकुलसचिव श्री विमल कुमार मिश्र शामिल रहे।

ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड विभाग में अध्ययन बोर्ड की बैठक

दिनांक 1–2 फरवरी 2020 को ज्योतिष एवं कर्मकाण्ड विभाग में अध्ययन बोर्ड (BOS) की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रोफेसर एच.पी.शुक्ल – निदेशक एवं संयोजक
2. प्रोफेसर देवीप्रसाद त्रिपाठी – कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार –(बाह्य विषय विशेषज्ञ)
3. प्रोफेसर विनय कुमार पाण्डेय– अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, [BHU] वाराणसी – (बाह्य विषय – विशेषज्ञ)
4. प्रोफेसर रामराज उपाध्याय– अध्यक्ष, पौरोहित्य विभाग, स्ठै, नई दिल्ली – (बाह्य विषय – विशेषज्ञ)
5. डॉ. नन्दन कुमार तिवारी – असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं समन्वयक (आन्तरिक विषय विशेषज्ञ)

बैठक के महत्वपूर्ण बिन्दु : –

अध्ययन बोर्ड द्वारा ज्योतिष विषय में तीन नवीन कोर्स (वास्तुशास्त्र में डिप्लोमा, वैदिक सृष्टि विज्ञान में प्रमाण पत्र तथा चिकित्सा ज्योतिष में डिप्लोमा) आरम्भ किये जाने हेतु पाठ्यक्रम (Syllabus) निर्माण कर संस्तुति दी गयी।

पूर्व से संचालित एम.ए. ज्योतिष पाठ्यक्रम को सेमेस्टर रूप में संचालित करने हेतु अनुमोदन दिया गया। बी.ए. कर्मकाण्ड तृतीय वर्ष का द्वितीय पत्र (प्रायोगिक) को निरस्त कर उसके स्थान पर नवीन पाठ्यक्रम तैयार कर संस्तुति दी गयी।

पूर्व से संचालित फलित ज्योतिष में डिप्लोमा (क्श्र–17) एवं फलित ज्योतिष में प्रमाण पत्र (CPJ&17) पाठ्यक्रम में आवश्यक संशोधन एवं परिवर्द्धन कर उनका पुर्नलेखन कराने हेतु संस्तुति दी गयी। वैदिक कर्मकाण्ड में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (DVK&17) में आंशिक संशोधन कर अनुमोदन दिया गया।

अन्य अकादमिक गतिविधियॉ

1. दिनांक 05 फरवरी, 2020 को मा0 कुलपति जी द्वारा Roundtable on STEM Education जो कि AIU तथा Vivekananda International Foundation द्वारा Vivekananda International Foundation, 03- San Martin Marg, Chanakyapuri, New Delhi में आयोजित हुई।
2. दिनांक 18 फरवरी को प्रो0 ओ0पी0एस0 नेगी, मा0 कुलपति जी द्वारा उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के सातवें दिक्षान्त समारोह में प्रतिभाग किया गया।
3. Government of India has been taking several digital initiatives to support teachers and students to make use of ICT in education. Cyber safety and security is the greatest concern in the digital world. Keeping in the view CIET-NCERT has developed booklets as guidelines for students, teachers and schools on cyber safety and security in English. Efforts have been taken to translate the guidelines for students, teachers and schools in Hindi. Dr. Jeetendra Pande, Assistant Professor- Computer science was invited to review and finalize the developed guidelines in Hindi from 19-21 February 2020 at CIET, New Delhi.
4. International Conference on Education in the Twenty First Century was organised by Regional Institute of Education, Bhubaneswar in Collaboration with The United Nations International Children's Emergency Fund & Commonwealth Educational Media Centre for Asia from 21-23 February 2020 at Regional Institute of Education, Bhubaneswar. Dr. Jeetendra Pande, Assistant Professor- Computer science participated as a panellist in a panel discussion on Developing teacher capabilities for using technology as a cognitive tool.

5. डॉ0 बाबा साहेब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात द्वारा "Media Culture and Development: Issues and Perspectives" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कॉनफरेंस 7 – 8 फरवरी, 2020 को विश्वविद्यालय के सिनेट हॉल में आयोजित किया गया था, जिसमें उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से डॉ0 राकेश चन्द्र रयाल, जनसंपर्क अधिकारी ने प्रतिभाग किया तथा ''डिजिटल मीडिया और दूरस्थ शिक्षा : उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विशेष संदर्भ में'' विषय पर शोध पत्र भी प्रस्तुत किया गया। शोध पत्र में विश्वविद्यालय हो रहे डिजिटल मीडिया का विस्तार से अध्ययन किया गया तथा दूरस्थ शिक्षा में डिजिटल मीडिया का किस तरह से बेहत्तर उपयोग हो सकता है इस पर भी विचार किया गया।

माह फरवरी, 2020 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त प्रतिमाह समय पर उपाधियों का वितरण, पुस्तक वितरण विभाग द्वारा विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति,, छात्रों की समस्यायओं का निराकरण, पुस्तकों की छपाई, शिक्षकों द्वारा मोडरेशन कार्य, वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा का आयोजन, ईकाई लेखन कार्य, पाठ्यक्रमों में सुधार/संशोधन, अध्ययन सामग्री/पुस्तकों की संरचना/प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। सूचना का अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं का प्रेषण, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाण पात्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य भी सम्पन्न किये गये।

****

(विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है। संलग्नक– क)